जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार

Study Raw.Com

सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित

MA Hindi Syllabus

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि हेतु
विनियम तथा पाठ्यक्रम

सत्र 2012-13 से लागू

Study Raw.Com

Study Raw.Com

MA Hindi Syllabus

Study Raw.Com

w.e.f. 2012-2013

Jai Prakash University, Chapra

एम0ए0 (हिन्दी) का नया पाठ्यक्रम

(सत्र 2012-13 से प्रस्तावित)

द्विवर्षीय एम0ए0 (हिन्दी) का नवीन पाठ्यक्रम सत्र 2012-13 से प्रारंभ होगा जिसमें चार सेमेस्टर होंगे। हर सेमेस्टर में चार प्रश्न-पत्र होंगे । दूसरे सेमेस्टर का चौथा पत्र और चौथे सेमेस्टर का अंतिम पत्र वैकल्पिक होगा। इस प्रकार इसमें कुल सोलह पाठ्यक्रम होंगे जिनमें चौदह बीज पाठ्यक्रम हैं और दो वैकल्पिक पाठ्यक्रम । इन पत्रों में हिन्दी के अलग-अलग रूपों का विस्तृत और गहन अधययन अपेक्षित है। इस पाठ्यक्रम में इस बात का ख्याल रखा गया है कि छात्रों और शिक्षकों के बीच अधययन-अधयापन के स्तर पर अधिकतम सहभागिता हो। प्रत्येक पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा - 70 अंक सत्रांत परीक्षा के लिए और 30 अंक जाँच-परीक्षा, संगोष्ठी-पत्र एवं मौखिकी/सामूहिक परिचर्चा के लिए होंगे ।

पाठ्यक्रमों का सत्रनुसार विवरण निम्नवत है :

एम०ए० (हिन्दी) प्रथम वर्ष

पहला सत्र (सेमेस्टर I) : **पावस सत्र**

प्रथम प्रश्नपत्र	-	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक) ।
दूसरा प्रश्नपत्र	-	आधुनिक काव्य (छायावाद तक)।
तीसरा प्रश्नपत्र	-	कथेतर गद्य विद्याएँ।
चौथा प्रश्नपत्र	-	हिन्दीभाषा : विकास और रूप ।

द्वितीय सत्र (सेमेस्टर II) : शीतकालीन सत्र

पाँचवाँ प्रश्नपत्र	-	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल से अब तक)।
छठा प्रश्नपत्र	-	छायावादोत्तर काव्य।
सातवाँ प्रश्नपत्र	-	कथा-साहित्य (उपन्यास और कहानी)।
आठवाँ प्रश्नपत्र	-	विकल्प पत्र (क) संस्कृत भाषा और साहित्य (ख) भारतीय साहित्य का अध्ययन। (ग) लोक साहित्य

तृतीय सत्र (सेमेस्टर III) : पावस पत्र

नवाँ प्रश्नपत्र	-	आदिकालीन काव्य एवं निर्गुण काव्य।
दसवाँ प्रश्नपत्र	-	सगुण भक्तिकाव्य।
ग्यारहवाँ प्रश्नपत्र	-	रीतिकाव्य।
बारहवाँ प्रश्नपत्र	-	भारतीय काव्यशास्त्र

चतुर्थ सत्र (सेमेस्टर III) : शीतकालीन सत्र

तेरहवाँ प्रश्नपत्र	-	पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं आधुनिक साहित्य सिद्धांत ।
चौदहवाँ प्रश्नपत्र	-	हिन्दी आलोचना एवं व्यावहारिक समीक्षा ।
पंद्रहवाँ प्रश्नपत्र	-	सैद्धांतिक भाषा विज्ञान ।
सोलहवाँ प्रश्नपत्र	-	विकल्प पत्र : (क) प्रयोजनमूलक हिन्दी ।

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

(ख) पत्रकारिता : इतिहास, सिद्धांत एवं व्यवहार ।
(ग) अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग ।
(घ) स्त्री-अध्ययन और साहित्य ।
(ङ) दलित-अस्मिता और साहित्य ।
(च) लोकप्रिय संस्कृति के विविध रूप ।

Study Raw.Com

विस्तृत पाठ्यक्रमः
प्रथम सत्र (पावस सत्र)
पहला प्रश्न-पत्र

समय : 3 घंटे
पूर्णांक - 70
चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न 4 X 10 = 40 अंक
चार लघुउत्तरीय प्रश्न 4 X 5 = 20 अंक
दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 X 1 = 10 अंक

पाठ्यांश :-

1- (क) साहित्य का इतिहास- दर्शन (शास्त्रीय दृष्टि, मार्क्सवादी दृष्टि, स्वच्छंदतावादी दृष्टि आदि), हिन्दी साहित्येतिहास-लेखन की परंपरा, काल-विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन साहित्यिक परंपराएँ- लौकिक साहित्य, सिद्धनाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य, अमीर खुसरो, विद्यापति, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विषेशताएँ।
(ख) भक्ति आंदोलन - भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण, प्रमुख निर्गुण एवं सगुण संप्रदाय, वैष्णव भक्ति की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार संत, प्रमुख संप्रदाय और आचार्य, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तःप्रादेशिक वैशिष्ट्य, भक्ति साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।
(ग) रीतिकाल - सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल के मूल स्रोत, रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व, रीतिबद्ध रीतिसिद्ध), रीतिमुक्त काव्यधारा, रीतिकाल के प्रमुख कवि - केशवदास, मतिराम, भूषण, बिहारी, देव, घनानंद, पद्माकर आदि, रीतिकाव्य में लोकजीवन, रीतिकाव्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ

MA Hindi Syllabus

अनुशंसित ग्रन्थ :-

1. साहित्य का इतिहास दर्शन - आचार्य नलिन विलोचन शर्मा
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ0 राम कुमार वर्मा
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास - सं0 डॉ0 नगेन्द्र
6. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त
7. साहित्य और इतिहास - दृष्टि - डॉ0 मैनेजर पाण्डेय
8. हिन्दी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
9. हिन्दी साहित्य का अतीत (दो भाग) - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
10. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
11. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ0 विजयेन्द्र स्नातक

Study Raw.Com

12. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
13. रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ0 नगेन्द्र
14. रीतिकाव्य को बिहारी की देन - डॉ0 अमरनाथ सिन्हा
15. रीतिकालीन राम साहित्य डॉ0 श्रीनारायण सिंह
16. उत्तर भारत की संत परम्परा - परशुराम चतुर्वेदी
17. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय- पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
18. भक्तिकाव्य की भूमिका - प्रेमशंकर
19. हिन्दी सूफी काव्य की भूमिका - रामपूजन तिवारी
20. कृष्णकथा की परंपरा और सूरदास का काव्य-मैनेजर पाण्डेय
21. कृष्णकाव्य और सूर - प्रेमशंकर
22. इतिहास और आलोचना - डॉ0 नामवर सिंह
23. हिन्दी साहित्य का मनोवैज्ञानिक अधययन- डॉ0 देवराज उपाध्याय
24. साहित्येतिहास - संरचना और स्वरूप - डॉ0 सुमन राजे
25. कबीर वाङ्मय (संपूर्ण) - डॉ0 जयदेव सिंह तथा वासुदेव सिंह
26. हिन्दी संतकाव्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन- डॉ0 वासुदेव सिंह
27. हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ - अवधेश प्रधान, साहित्यवाणी, इलाहाबाद ।

दूसरा प्रश्न-पत्र : आधुनिक काव्य (छायावाद तक)

समय : 3 घंटे

पूर्णांक - 70

चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न 4 x 10 = 40 अंक

चार लघुउत्तरीय प्रश्न 4 x 5 = 20 अंक

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 x 1 = 10 अंक

पाठ्यांश:

1. महेश नारायण : स्वप्न ।
2. मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम सर्ग)।
3. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता, श्रद्धा, लज्जा, इड़ा सर्ग)।
4. निराला : राग-विराग (सरोज-स्मृति, राम की शक्ति-पूजा, कुकुरमुत्ता) ।
5. सुमित्रनंदन पंत : रश्मिबंध (परिवर्त्तन, नौका विहार, प्रथम रश्मि, भारत माता)
6. महादेवी वर्मा : दीपशिखा (पंथ होने दो अपरिचित, जो न प्रिय पहचान पाती, मोम-सा तन घुल चुका, पूछता क्यों शेष कितनी रात)।

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. जयशंकर प्रसाद : नंददुलारे वाजपेयी, भारतीय भंडार
2. कामायनी - एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. निराला की साहित्य साधाना (तीन भाग) : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. सुमित्रनंदन पंत और आधुनिक हिन्दी कविता में परंपरा और नवीनता : डॉ0 ई0 चेलिशेव
5. सुमित्रनंदन पंत : डॉ. नगेन्द्र
6. छायावाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

7. महादेवी वर्मा : जगदीश गुप्त, नई दिल्ली, 1994
8. छायावाद की प्रासंगिकता : रमेशचन्द्र शाह, नई दिल्ली, 1973
9. छायावाद और नवजागरण : महेन्द्रनाथ राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
10. दिनकर : विजेन्द्र नारायण सिंह, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
11. मैथिलीशरण गुप्त : रेवतीरमण, साहित्य अकादमी नई दिल्ली
12. पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त : रामधारी सिंह दिनकर
13. क्रांतिकारी कवि निराला : डा0 बच्चन सिंह
14. आत्महंता आस्था : निराला : दूधानाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
15. प्रसाद स्मृति वातायन : विद्यानिवास मिश्र
16. साकेत : एक अध्ययन : डॉ0 नगेंद्र
17. साकेत के नवम सर्ग का काव्य-वैभव : डॉ0 कन्हैयालाल सहाय (साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी)

तीसरा प्रश्न-पत्र कथेतर गद्य विधाएँ

समय : 3 घंटे

पूर्णांक - 70

दो दीर्घउत्तरीय प्रश्न 2 X 10 = 20 अंक

दो सप्रसंग व्याख्या 2 X 10 = 20 अंक

चार लघुउत्तरीय प्रश्न 4 X 5 = 20 अंक

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 X 1 = 10 अंक

पाठ्यांश :

1. चिंतामणि - भाग 1 : आचार्य रामचंद्र शुक्ल (भाव या मनोविकार, श्रद्धा-भक्ति, करुणा, कविता क्या है, लोकमंगल की साधानावस्था) ।
2. अशोक के फूल : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी (अशोक के फूल, भारतीय संस्कृति की देन, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है) ।
3. आँगन का पंछी : डॉ0 विद्यानिवास मिश्र (आँगन का पंछी, बंजारा मन, मेरे राम का मुकुट भीग रहा है) ।
4. चंद्रगुप्त : जयशंकर प्रसाद ।
5. आधे-अधूरे : मोहन राकेश ।
6. पथ के साथी : महादेवी वर्मा (मैथिलीशरण गुप्त, प्रसाद, पंत, निराला) ।

अनुशंसित ग्रन्थ :-

1. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. दूसरी परम्परा की खोज - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3. रामचन्द्र शुक्ल - मलयज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य - चौथीराम यादव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
5. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास - दशरथ ओझा, राजपाल एंड सन्स, नई दिल्ली
6. पहला रंग - देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली
7. हिन्दी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी
8. रंग परम्परा - नेमिचन्द्र जैन

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

1. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. दूसरी परम्परा की खोज - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. रामचन्द्र शुक्ल - मलयज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य - चौथीराम यादव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
5. हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास - दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस नई दिल्ली
6. पहला रंग - देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली
7. हिन्दी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी
8. रंग परम्परा - नेमिचन्द्र जैन
9. जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अधययन- जगन्नाथ शर्मा
10. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान - वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, जगत राम एण्ड संस, दिल्ली
11. हिंदी नाट्यशास्त्र का स्वरूप - डॉ0 नर्वदेश्वर राय, हिंदी ग्रंथ कुटीर, पटना
12. समकालीन हिन्दी निबंध - कमला प्रसाद, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
13. जयषंकर प्रसाद : रंगदृष्टि - रा0 ना0 वि0, नयी दिल्ली
14. रंग हबीब - भारत-रत्न भार्गव
15. जयशंकर प्रसाद : रंगदृष्टि - रा0 ना0 वि0, नयी दिल्ली
16. निराला - रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
17. समकालीन हिन्दी नाटक की संघर्ष चेतना - गिरीश रस्तोगी, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
18. मोहन राकेश : आभा गुप्त, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
19. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और समकालीन आलोचक - रामचन्द्र तिवारी
20. नाटक और रंग परिकल्पना - डॉ0 गिरीश रस्तोगी
21. हिन्दी निबंध और निबंधकार - रामचन्द्र तिवारी
22. साहित्यिक निबंध - डा0 त्रिभुवन सिंह, डॉ0 विजयबहादुर सिंह
23. हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी
24. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : रामचन्द्र तिवारी

चौथा प्रश्न-पत्र - हिन्दी भाषा विकास और रूप

समय : 3 घंटे

पूर्णांक - 70

तीन दीर्घउत्तरीय प्रश्न 3 X 10 = 30 अंक

दो सप्रसंग व्याख्या 6 X 5 = 50 अंक

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 X 1 = 10 अंक

पाठ्यांश :

1. अपभ्रंश, अवहट्‌ठ और पुरानी हिन्दी का संबंध, काव्यभाषा के रूप में अवधी का उद्‌भव और विकास (काव्यभाषा के रूप में ब्रजभाषा का उद्‌भव और विकास (साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली हिन्दी का उद्‌भव और विकास (हिन्दी की बोलियाँ - वर्गीकरण और क्षेत्र) ।
2. मानक हिन्दी का भाषिक स्वरूप - स्वनिम व्यवस्था (खण्ड्य, खण्ड्येतर), हिन्दी शब्द-रचना-रूप, शब्द और पद के संदर्भ में उपसर्ग, प्रत्यक्ष, समास, लिंग और वचन, पदबंध (हिन्दी वाक्य-रचना : पदक्रम अन्विति और अर्थ-संगति ।
3. 19-20वीं शताब्दी में हिन्दी प्रसार के आंदोलन, प्रमुख व्यक्तियों और संस्थाओं का योगदान, राजभाषा के रूप में हिन्दी

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

का विकास एवं वर्तमान संवैधानिक स्थिति ।

4. हिन्दी भाषा-प्रयोग के विविध रूप - सम्पर्कभाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा, संचार माध्यम की भाषा ।

5. देवनागरी लिपि : उद्‌भव, विकास और समस्याएँ, वैज्ञानिकता, मानकीकरण ।

अनुशंसित ग्रन्थ :–

1. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. दूसरी परम्परा की खोज - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3. रामचन्द्र शुक्ल - मलयज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य - चौथीराम यादव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
5. हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास - दशरथ ओझा, राजपाल एंड सन्स, नई दिल्ली
6. पहला रंग - देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली
7. हिन्दी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी
8. रंग परम्परा - नेमिचन्द्र जैन
9. भोजपुरी भाषा और साहित्य - डॉ0 उदय नारायण तिवारी
10. मगही भाषा का साहित्य - डॉ0 सम्पत्ति आर्याणी
11. मैथिली भाषा का विकास - डॉ0 गोविन्द झा
12. भाषा विज्ञान तथा हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक विश्लेषण - डॉ0 सीताराम झा श्याम
13. हिन्दी भाषा की संरचना - डॉ0 शर्वेश पाण्डेय
14. राष्ट्रीय अस्मिता और हिन्दी साहित्य - डॉ0 सदानंद प्रसाद गुप्त।
15. देवनागरी लिपि और हिन्दी बर्तनी - डॉ0 अनन्त चौधारी।
16. ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ - डॉ0 बलराम तिवारी
17. हिन्दी वाक्य विन्यास - डॉ0 सुधा कालरा
18. नागरी लिपि और उसकी उत्पत्ति और विकास - नलिनी मोहन सान्याल
19. बिहारी बोलियों की उत्पत्ति और विकास - नलिनी मोहन सान्याल
20. हिन्दी भाषा की समस्याएँ - डॉ0 कामेश्वर शर्मा
21. हिन्दी : उद्‌भव, विकास और रूप - डॉ0 हरदेव बाहरी
22. हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
21. हिन्दी शब्दानुशासन-किशोरीदास वाजपेयी

द्वितीय सत्र (शीतकालीन सत्र)

पाँचवाँ प्रश्न-पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल - अद्यतन)

समय : 3 घंटे

पूर्णांक - 70

चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न 4 x 10 = 40 अंक

चार लघुउत्तरीय व्याख्या 4 x 5 = 20 अंक

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 x 1 = 10 अंक

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

का विकास एवं वर्तमान संवैधानिक स्थिति ।

4. हिन्दी भाषा-प्रयोग के विविध रूप - सम्पर्कभाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा, संचार माध्यम की भाषा ।

5. देवनागरी लिपि : उद्‌भव, विकास और समस्याएँ, वैज्ञानिकता, मानकीकरण ।

अनुशंसित ग्रन्थ :–

1. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. दूसरी परम्परा की खोज - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3. रामचन्द्र शुक्ल - मलयज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य - चौथीराम यादव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
5. हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास - दशरथ ओझा, राजपाल एंड सन्स, नई दिल्ली
6. पहला रंग - देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली
7. हिन्दी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी
8. रंग परम्परा - नेमिचन्द्र जैन
9. भोजपुरी भाषा और साहित्य - डॉ0 उदय नारायण तिवारी
10. मगही भाषा का साहित्य - डॉ0 सम्पत्ति आर्याणी
11. मैथिली भाषा का विकास - डॉ0 गोविन्द झा
12. भाषा विज्ञान तथा हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक विश्लेषण - डॉ0 सीताराम झा श्याम
13. हिन्दी भाषा की संरचना - डॉ0 शर्वेश पाण्डेय
14. राष्ट्रीय अस्मिता और हिन्दी साहित्य - डॉ0 सदानंद प्रसाद गुप्त।
15. देवनागरी लिपि और हिन्दी वर्तनी - डॉ0 अनन्त चौधारी।
16. ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ - डॉ0 बलराम तिवारी
17. हिन्दी वाक्य विन्यास - डॉ0 सुधा कालरा
18. नागरी लिपि और उसकी उत्पत्ति और विकास - नलिनी मोहन सन्याल
19. बिहारी बोलियों की उत्पत्ति और विकास - नलिनी मोहन सन्याल
20. हिन्दी भाषा की समस्याएँ - डॉ0 कामेश्वर शर्मा
21. हिन्दी : उद्‌भव, विकास और रूप - डॉ0 हरदेव बाहरी
22. हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
21. हिन्दी शब्दानुशासन-किशोरीदास वाजपेयी

द्वितीय सत्र (शीतकालीन सत्र)

पाँचवाँ प्रश्न-पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल - अद्यतन)

समय : 3 घंटे

पूर्णांक - 70

चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न 4 X 10 = 40 अंक

चार लघुउत्तरीय व्याख्या 4 X 5 = 20 अंक

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 X 1 = 10 अंक

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

पाठ्यांश :

1. 1857 ई0 का स्वतंत्रता संघर्ष, नवजागरणकालीन हिन्दी क्षेत्र का परिवेश ।
2. भारतेन्दु एवं भारतेन्दु मंडल, भारतेन्दुकालीन साहित्य की विशेषताएँ, भारतेन्दु युग की प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ ।
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, 'सरस्वती' पत्रिका और हिन्दी नवजागरण, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा, द्विवेद्वी युग के प्रमुख गद्य लेखक ।
4. स्वच्छन्तावादी चेतना का विकास : छायावादी काव्य, प्रतिनिधि साहित्यकार।
5. छायावादोत्तर काव्य : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता, प्रमुख कहानी आंदोलन, प्रेमचंद एवं प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास, गद्य साहित्य का विकास ।
6. हिन्दी नाटक एवं रंगमंच : उद्भव और विकास ।
7. उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय ।

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - सं0 डॉ0 नगेन्द्र
2. आधुनिक हिन्दी साहित्य - एक परिदृश्य - अज्ञेय
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य - डॉ0 लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास - डॉ0 श्री कृष्ण लाल
5. महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग - डॉ0 उदयभानु सिंह
6. भारतेन्दु युग - डॉ0 रामविलास शर्मा
7. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ0 बच्चन सिंह
8. लोकजागरण और हिन्दी साहित्य - डॉ0 रामविलास षर्मा
9. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ - डॉ0 रामविलास षर्मा
10. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ0 नामवर सिंह
11. भारतेन्दु युगीन हिन्दी पत्रकारिता - डॉ0 वंशीधर लाल
12. उर्दू साहित्य का इतिहास - डॉ0 एहतेशाम हुसैन
13. दक्खिनी हिन्दी - डॉ0 बाबू राम सक्सेना
14. इतिहास और आलोचना - नामवर सिंह
15. गद्य साहित्य - विकास और विन्यास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

छठा प्रश्न-पत्र : छायावादोत्तर काव्य

समय : 3 घंटे

पूर्णांक - 70

दो दीर्घउत्तरीय प्रश्न 2 x 10 = 20 अंक

दो व्याख्यात्मक व्याख्या 4 x 5 = 20 अंक

चार लघुउत्तरीय प्रश्न 4 x 5 = 20 अंक

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 x 1 = 10 अंक

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

पाठ्यांश :

1. कुरुक्षेत्र : दिनकर (पाठ्यांश : छठा सर्ग) ।
2. आँगन के पार द्वार : अज्ञेय (पाठ्यांश : असाध्यवीणा, नदी के द्वीप)।
3. प्रतिनिधि कविताएँ : मुक्तिबोध (पाठ्यांश : अंधेरे में, भूल गलती) ।
4. प्रतिनिधि कविताएँ : नागार्जुन (पाठ्यांश : बादल को घिरते देखा है, बहुत दिनों के बाद, हरिजन गाथा, तीनों बन्दर बापू के) ।
5. संसद से सड़क तक : धूमिल (पाठ्यांश : पटकथा)।
6. निम्न कवियों का सामान्य परिचय - हरिवंश राय बच्चन, गोपाल सिंह नेपाली, धर्मवीर भारती, केदारनाथ अग्रवाल, केदारनाथ सिंह, शमशेर बहादुर सिंह, दुश्यन्त कुमार, राजेश जोशी, मंगलेश डबराल और निर्मला पुतुल ।

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. नयी कविता और अस्तित्ववाद - रामविलास षर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या - रामस्वरूप चतुर्वेदी, नई दिल्ली
4. समकालीन हिंदी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नई दिल्ली
5. समकालीन कविता का यथार्थ - परमानंद श्रीवास्तव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
6. समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ - रामकली सर्राफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7. अज्ञेय और नई कविता - चंद्रकला त्रिपाठी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
8. साहित्य और समय - अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद
9. गोपाल सिंह नेपाली की श्रेष्ठ कविताएं, साहित्य संसद, दिल्ली
9. स्वप्न हूँ भविष्य का- नंदकिशोर नंदन, रत्नदीप प्रकाशन, दिल्ली

सप्तम प्रश्न-पत्र - कथा साहित्य (उपन्यास और कहनी)

समय : 3 घंटे

पूर्णांक - 70

दो दीर्घउत्तरीय प्रश्न 2 X 10 = 20 अंक

दो व्याख्यात्मक व्याख्या 4 X 5 = 20 अंक

चार लघुउत्तरीय प्रश्न 4 X 5 = 20 अंक

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 X 1 = 10 अंक

पाठ्यांश :

1. गोदान :- प्रेमचंद ।
2. बाणभट्ट की आत्मकथा : हजारी प्रसाद द्विवेदी ।
3. शेखर : एक जीवनी (भाग 1) : अज्ञेय ।
4. मैला आँचल - फणीश्वरनाथ रेणु ।
5. एक दुनिया समानान्तर : संपादक राजेन्द्र यादव (पाठ्यांश- मछलियाँ (उषा प्रियवंदा), जिन्दगी और जोंक (अमरकान्त), तीसरी कसम (रेणु), चीफ की दावत

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

(भीष्म साहनी), परिन्दे (निर्मल वर्मा), यही सच है (मन्नू भंडारी), भोला राम का जीव (हरिशंकर परसाई), टूटना (राजेन्द्र यादव) ।

नोट : व्याख्या कहानियों से नहीं पूछी जाएगी । उपन्यासों में किन्ही तीन से प्रश्न पूछे जाएँगे ।

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद : एक विवेचन - इन्द्रनाथ मदान
3. उपन्यासकार हजारी प्रसाद द्विवेदी - त्रिभुवन सिंह
4. अज्ञेय का कथा साहित्य - ओम प्रभाकर
5. विवेक के रंग - देवीशंकर अवस्थी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
6. हिंदी उपन्यास - शिवनारायण श्रीवास्तव, सरस्वती मंदिर, वाराणसी
7. कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेंद्र यादव
8. अधूरे साक्षात्कार - नेमिचन्द्र जैन
9. कहानी नयी कहानी - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. कहानी आंदोलन की भूमिका - बलिराज पांडेय, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद
11. आज की हिंदी कहानी - विजय मोहन सिंह, दिल्ली
12. उपन्यास : स्थिति और गति - चंद्रकांत बॅड़दिवेकर
13. उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. यशपाल - कमला प्रसाद, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
15. दूसरी परम्परा की खोज - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
16. हिन्दी उपन्यास - रामचन्द्र तिवारी
17. आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम - रामचन्द्र तिवारी
18. नयी कहानी : परिवेश और परिप्रेक्ष्य - रामकली सर्राफ
19. हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी
20. प्रेमचंद के उपन्यासों का विकास-विधान : कमल किशोर गोपनका
21. गोदान : नया परिप्रेक्ष्य : गोपाल राय
22. गोदान : मूल्यांकन और मूल्यांकन : इंद्रनाथ मदान
23. रहबर और रहनुमा प्रेमचंद - नंदकिशोर नंदन

आठवाँ प्रश्न-पत्र (विकल्प)

इस प्रश्न-पत्र में तीन विकल्प पत्र हैं जिनमें से विद्यार्थी अध्यक्ष की अनुमति से कोई एक विकल्प चुन कर आठवें प्रश्न पत्र के रूप में उसका अध्ययन कर सकेगा ।

विकल्प (क)- संस्कृत भाषा और साहित्य

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

समय : 3 घंटे

पूर्णांक - 70

चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न 4 X 10 = 40 अंक

चार लघुउत्तरीय प्रश्न 4 X 5 = 20 अंक

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 X 1 = 10 अंक

पाठ्यांश :

1. संस्कृत भाषा का परिचयात्मक इतिहास (संस्कृत का भाषाशास्त्रीय महत्त्व (छः वेदांगो का सामान्य परिचय (आदिभाषाशास्त्री पाणिनि, पतंजलि एवं भर्तृहरि का परिचय एवं महत्त्व ।
2. संस्कृत साहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन : संस्कृत महाकाव्यों (रामायण एवं महाभारत) का परिचयात्मक अनुशीलन (संस्कृत नाटकों का उद्भव और विकास ।
3. पाठग्रंथ :

(क) ईषोपनिषद (प्रारंभिक पाँच मंत्र)

(ख) मेघदूतम् (कालिदास, पूर्वमेघ, प्रारंभिक 20 श्लोक)

(ग) चारूदत्त नाटक : भास (प्रथम अंक)

(घ) उत्तररामचरित : भवभूति (प्रथम अंक)

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास - बलदेव उपाध्याय, शारदा मंदिर, वाराणसी
2. संस्कृत कविदर्शन - भोलाशंकर व्यास, चौखम्भा, वाराणसी
3. संस्कृत व्याकरण - हिवट्ने, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
4. संस्कृत व्याकरण - सुदर्शन लाल जैन, वाराणसी
5. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास - भोलाशंकर व्यास
6. संस्कृत साहित्य का भाषाशास्त्रीय अधययन - भोलाशंकर व्यास
7. संस्कृत-व्याकरण एवं लघुसिद्धान्त कौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी
8. संस्कृत का ऐतिहासिक एवं संरचनात्मक परिचय : देवीदत्त शर्मा
9. मेघदूत : एक पुरानी कहानी : हजारीप्रसाद द्विवेदी
10. ईषोपनिशद : सिद्धार्थ शंकर सिंह, जानकी प्रकाशन, पटना
11. चारूदत्त नाटक : मोतीलाल बनारसीदास
12. उत्तररामचरित : मोतीलाल बनारसीदास

विकल्प (ख) : भारतीय साहित्य का अध्ययन

समय : 3 घंटे

पूर्णांक - 70

चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न 4 X 10 = 40 अंक

चार लघुउत्तरीय प्रश्न 4 X 5 = 20 अंक

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 X 1 = 10 अंक

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

पाठ्यांश :

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप ।
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ ।
3. भक्तिकाल में भारतीय साहित्य का अन्तर्संबंध ।
4. नव जागरणकालीन भारतीय साहित्य का स्वरूप ।
5. स्वाधीनता आन्दोलन एवं भारतीय साहित्य ।
6. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब ।
7. भारतीय साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति ।
8. भारतीय साहित्य में – स्त्री चेतना का स्वरूप ।
9. भारतीय साहित्य में दलित-अस्मिता-विमर्श ।

पाठ्य–पुस्तक :

1. आग का दरिया (उपन्यास) : कुर्रतुल-एन-हैदर (उर्दू) ।
2. संस्कार (उपन्यास) : यू0 आर0 अनंतमूर्ति (कन्नड़) ।
3. वर्षा की सुबह (कविता) : सीताकान्त महापात्र (उड़िया) ।
4. घासीराम कोतवाल (नाटक) : विजय तेन्दुलकर (मराठी) ।
5. हजार चौरासी की माँ: महाश्वेता देवी (बांगला) ।

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. बंगला साहित्य का इतिहास – भोला नाथ गुप्त
2. हिन्दी बंगला अभिधान – गोपालचन्द्र वेदान्त शास्त्री
3. भारतीय साहित्य शास्त्र – गणेश त्र्यम्बक देशपाण्डे
4. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – रामविलास शर्मा
5. बंगला और उसका साहित्य – हंस कुमार तिवारी
6. भारतीय साहित्य – भोलाशंकर व्यास
7. भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय
8. भारतीय साहित्य – डॉ0 नगेंद्र
9. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – रामविलास शर्मा
10. भारतीय चिंतन परंपरा – के0 दामोदरन
11. आधुनिक भारतीय चिंतन – डॉ0 विश्वनाथ नरवण

विकल्प (ग) : लोक साहित्य

समय : 3 घंटे

पूर्णांक – 70

चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न 4 X 10 = 40 अंक

चार लघुउत्तरीय प्रश्न 4 X 5 = 20 अंक

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 X 1 = 10 अंक

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

पाठ्यांश :

1. लोक साहित्य - परिभाषा एवं स्वरूप ।
2. लोकसाहित्य के रूप ।
3. हिन्दी का लोक साहित्य (मुख्यत: अवधी, ब्रज, बुंदेली, मगही, मैथिली, अंगिका लोक साहित्य का आकलन) ।
4. भोजपुरी, लोकसाहित्य का स्वरूप ।
5. भोजपुरी संस्कार गीतों का सामाजिक, सांस्कृतिक विवेचन ।
6. भोजपुरी लोकगीतों में अभिव्यक्त शृंगार भावना का स्वरूप ।
7. भोजपुरी लोकगीतों में राष्ट्रीय चेतना का स्वरूप ।
8. भिखारी ठाकुर की विदेसिया एवं महेन्दर मिसिर का पूरबी लोकधुन ।
9. प्रमुख भोजपुरी रचनाकारों का परिचयात्मक विवेचन ।
10. अर्जुन सिंह अशांत - कृत बुद्धायन के शांतिपर्व का अनुशीलन ।
11. महेन्द्र गोस्वामी की कविताएँ ।
12 कुंज बिहारी प्रसाद 'कुंजन' - सीता के लाल

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. लोक साहित्य विज्ञान - सत्येन्द्र, शिवलाल एण्ड कंपनी, आगरा
2. लोक साहित्य की भूमिका - कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
3. लोक साहित्य का अधययन - त्रिलोचन पांडेय, लोकभारती, इलाहाबाद
4. हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास (सोलहवाँ भाग) - नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
5. ग्रामगीत- रामनरेश त्रिपाठी, हिन्दी मंदिर, प्रयाग ।
6. भोजपुरी और हिन्दी - शुकदेव सिंह
7. भोजपुरी लोक साहित्य - कृष्णदेव उपाध्याय
8. गंगाघाटी के गीत - हीरालाल तिवारी
9. लोकगीतों के संदर्भ और आयाम - शान्ति जैन
10. बदमाश दर्पण (तेग अली) - सं0 श्री नारायणदास
11. पुरइन- पात (भोजपुरी साहित्य संचयन) - चितरंजन मिश्र
12. भोजपुरी भाषा और साहित्य - उदय नारायण तिवारी

नोट - समस्त पाठ्य क्रम चौंसठ (64) क्रेडिट का होगा । इस प्रकार हर सत्र (सेमेस्टर) सोलह (16) क्रेडिट का होगा । एक प्रश्न-पत्र कुल चार (04) क्रेडिट का होगा। समस्त पाठ्यक्रम कुल चार सत्रों (सेमेस्टर) में विभाजित होगा ।

तीस अंकों की परीक्षा-पद्धति :- सत्रांत लिखित परीक्षा के पूर्व प्रत्येक छात्र से दस (10) अंकों का असाइनमेंट कार्य कराया जायेगा तथा कुल बीस (20) अंकों की मौखिकी परीक्षा ली जाएगी ।

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

विस्तृत पाठ्यक्रमः

नवाँ प्रश्न-पत्र : आदिकालीन एवं निर्गुण काव्य

समय : 3 घंटे
पूर्णांक - 70
दो दीर्घउत्तरीय प्रश्न 2 x 10 = 20 अंक
दो सप्रसंग व्याख्या 2 x 10 = 20 अंक
चार लघुउत्तरीय प्रश्न 4 x 5 = 20 अंक
दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 x 1 = 10 अंक

पाठ्यांश :-

1. दोहाकोष : सिद्धसरहपा (प्रारंभिक 20 दोहे) ।
2. पृथ्वीराजरासो (सं0 हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं नामवर सिंह) : शशिव्रता विवाह (आरंभ से 30 छंद) ।
3. विद्यापति पदावली : सं0 रामवृक्ष बेनीपुरी (पद सं0 1, 2, 3, 10, 19, 35, 36, 40, 54, 160, 175, 179, 197, 200, 213, 216, 229, 233, 244, 246 - कुल 20 पद) ।
4. कबीर ग्रंथावली : सं0 डॉ0 श्यामसुंदर दास (साखी - विरह कौ अंग, कस्तूरी मृग कौ अंग (पद - कुल 20 पद, सं0 2, 3, 11, 18, 24, 39, 40, 41, 44, 51, 55, 59, 67, 69, 72, 92, 165, 180, 186, 249) ।
5. पद्मावत : सं0 डॉ0 वासुदेव शरण अग्रवाल (नागमती विरह वर्णन) ।

अनुशंसित ग्रन्थ :-

1. पृथ्वीराज रासो की भाषा - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
3. कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कीर्तिलता और विद्यापति का युग - अवधेश प्रधान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. विद्यापति - शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद ।
6. जायसी - विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
7. सूफी मत : साधना और साहित्य - रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल, वाराणसी
8. हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति - श्यामसुंदर शुक्ल, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।
9. नाथ और सन्त साहित्य - नागेन्द्रनाथ उपाध्याय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।
10. संत साहित्य - राधेश्याम दूबे, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
11. चंदबरदाई - शांता सिंह, साहित्य अकादमी, दिल्ली
12. जायसी - सं0 सदानंद शाही

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

दसवाँ प्रश्न-पत्र : सगुण भक्ति काव्य

समय : 3 घंटे

पूर्णांक - 70

दो दीर्घउत्तरीय प्रश्न 2 x 10 = 20 अंक

दो सप्रसंग व्याख्या 2 x 10 = 20 अंक

चार लघुउत्तरीय प्रश्न 4 x 5 = 20 अंक

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 x 1 = 10 अंक

पाठ्यांश :-

1. भ्रमरगीतसार : सं0 रामचंद्र शुक्ल (पद सं0 7, 8, 23, 25, 34, 38, 41, 42, 53, 62, 64, 75, 83, 85, 89, 92, 95, 100, 101, 102, 103, 105, 111, 121, 171, कुल 25 पद) ।
2. रामचरितमानस : गीता प्रेस संस्करण अयोधयाकाण्ड, चित्रकूट प्रसंग, दोहा सं0 272 से 292, किष्किंधाकाण्ड (दोहा सं0 11 से 17), सुंदरकाण्ड (दोहा सं0 1 से 33) ।
3. कवितावली : गीता प्रेस संस्करण (उत्तरकाण्ड, सं0 39, 40, 47, 57, 69, 70, 71, 72, 82, 83, 84, 85, 96, 97, 98, 99, 106, 107, 171, 174 - कुल 20) ।
4. मीरा का काव्य : सं0 विश्वनाथ त्रिपाठी (15 पद मण थैं परस हरि रे चरण, तनक हरि, आली रे म्हारे णेणां बाण पड़ी, म्हां गिरधार आगा नच्यरी, म्हांरा री गिरधार गोपाल, माई सांवर रंग राँची, मैं गिरधार के घर जाऊँ, माई री म्हाँ लिया गोविंदा मोल, माई म्हाणे सुपणा माँ, थें मत बरजां माईरी, नहिं सुख भावै थारो देसलड़ों रंगरूड़ो, राणाजी म्हाने या बदनामी लागै मीठी, पद बाँधा घूँघर या णाच्यारी, राणाजी थे जहर दिया म्हे जाणी, सखी म्हारी नींद नसाणी हो) ।
5. रसखान रचनावली : सं0 विद्यानिवास मिश्र (सं0 11, 17, 23, 24, 30, 32, 37, 59, 74, 75, 81, 103, 107, 116, 135 - कुल 15) ।

अनुशंसित ग्रन्थ :-

1. सूरदास - रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
2. महाकवि सूरदास - नंददुलारे वाजपेयी, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली ।
3. सूर साहित्य - हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रंथ रत्नाकार, बम्बई ।
4. गोस्वामी तुलसीदास - रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
5. गोस्वामी तुलसीदास- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी ।
6. तुलसी आधुनिक वातायन से - रमेश कुंतल मेघ, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
7. परम्परा का मूल्यांकन - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
8. भक्तिकाव्य और लोक जीवन - शिवकुमार मिश्र, दिल्ली ।
9. भक्तिकाव्य की भूमिका - प्रेमशंकर, नई दिल्ली ।
10. लोकवादी तुलसीदास- - विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
11. भक्तिकाल में भारतीय रहस्यवाद - राधोश्याम दुबे, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी ।
12. मीराबाई - श्रीकृष्णलाल, आनंद पुस्तक भवन, वाराणसी ।
13. मीरा एक पुनर्मूल्यांकन - सं0 अजय तिवारी, आधार प्रकाशन, पंचकूला ।
14. तुलसी : एक पुनर्मूल्यांकन - सं0 अजय तिवारी, आधार प्रकाशन, पंचकूला ।
15. रसखान - श्यामसुन्दर व्यास, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली ।
16. मध्ययुगीन काव्य साधना - डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
17. स्वप्न - सिद्धांत और मध्यकालीन हिन्दी काव्य - डॉ0 अजय कुमार अभिधा प्रकाशन, दिल्ली ।

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

ग्यारहवाँ प्रश्न-पत्र : रीतिकाव्य

समय : 3 घंटे

पूर्णांक - 70

दो दीर्घउत्तरीय प्रश्न 2 x 10 = 20 अंक

दो सप्रसंग व्याख्या 2 x 10 = 20 अंक

चार लघुउत्तरीय प्रश्न 4 x 5 = 20 अंक

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 x 1 = 10 अंक

पाठ्यांश :-

1. केशवदास : रामचन्द्रिका-संपा0 एवं टीक0 लाल भगवान दीन ।
2. बिहारी : सं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (दोहा सं0 1, 3, 6, 9, 14, 20, 27, 31, 35, 40, 41, 42, 43, 47, 56, 61, 76, 78, 85, 89, 96, 101, 107, 119, 123, 170, 183, 191, 197-ए, 238, 241, 248, 270, 296, 305, 318, 326, 330, 340, 357, 368, 376, 388, 393, 395, 403, 414, 438, 451, 464 - कुल 50) ।
3. घनानंद कवित्त : सं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (छंद सं0 19, 25, 43, 44, 50, 68, 70, 71, 75, 80, 82, 84, 86, 91, 94 - कुल 15) ।
4. देव की दीपशिखा : सं0 विद्यानिवास मिश्र (छंद सं0 4, 5, 26, 33, 37, 40, 42, 47, 53, 60, 62, 64, 66, 68, 72, 73, 74, 86, 108, 118 - कुल 20) ।
5. दीवाने मीर : अली सरदार जाफरी (आठ गजलें, सं0 1, 8, 51, 55, 170, 213, 331, 511) ।
6. दीवाने गालिब : अली सरदार जाफरी (सात गजलें, सं0 1, 18, 21, 33, 116, 163, 220) ।

अनुशंसित ग्रन्थ :-

1. रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना - बच्चन सिंह, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. केशव का आचार्यत्व - विजयपाल सिंह, राजपाल ऐंड सन्स, दिल्ली
4. बिहारी का नया मूल्यांकन - बच्चन सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
5. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा- मनोहर लाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
6. मध्ययुगीन काव्य प्रतिभाएँ - रामकली सर्राफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7. मध्ययुगीन काव्य साधना - डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
8. रीतिकालीन वीर-काव्यों का सांस्कृतिक अध्ययन- डॉ0 शिवनारायण सिंह
9. रीतिकाव्य को बिहारी की देन - डॉ0 अमरनाथ सिन्हा
10. रीतिकालीन रास साहित्य - डॉ0 श्रीनारायण सिंह

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

बारहवाँ प्रश्न-पत्र : भारतीय काव्यशास्त्र

समय : 3 घंटे

पूर्णांक - 70

चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न – 4 x 10 = 40 अंक

चार लघुउत्तरीय प्रश्न – 4 x 5 = 20 अंक

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 x 1 = 10 अंक

पाठ्यांश :-

1. काव्यशास्त्र का इतिहास - सामान्य परिचय।
2. काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन एवं काव्य गुण।
3. काव्यात्म-सिद्धान्त।
4. रस सिद्धान्त - रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण।
5. ध्वनि सिद्धान्त - ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि विचार का स्रोत, ध्वनि का वर्गीकरण ।
6. अंलकार सिद्धान्त - अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकार का वर्गीकरण, काव्य में अलंकार का महत्त्व।
7. रीति सिद्धान्त - रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण ।
8. वक्रोक्ति सिद्धान्त - वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण वक्रोक्ति और अभिव्यंजनावाद ।
9. औचित्य सिद्धान्त - औचित्य की अवधारणा एवं प्रमुख भेद ।

अनुशंसित ग्रन्थ :-

1. भारतीय साहित्यशास्त्र - गणेश त्र्यंबक देशपांडे, पोपुलर बुक डिपो, पूना ।
2. रसमीमांसा - रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
3. संस्कृत आलोचना - बलदेव उपाध्याय ।
4. रस प्रक्रिया - शंकरदेव अवतरे, दिल्ली ।
5. हिस्ट्री ऑफ संस्कृत पोएटिक्स - पी0 बी0 काणे, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली ।
6. काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लियिंग हाउस, दिल्ली ।
7. भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज - राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
8. ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धांत - भोलाशंकर व्यास चौखंभा, वाराणसी ।
9. काव्यशास्त्र - भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
10. भारतीय काव्य विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
11. भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य - परम्परा - डॉ0 राधाबल्लभ त्रिपाठी ।
12. धवन्यालोक - आचार्य चण्डिका प्रसाद शुक्ल ।

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

चतुर्थ सत्र (शीतकालीन सत्र)

तेरहवाँ पश्न-पत्र : पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं आधुनिक साहित्य-सिद्धांत

समय : 3 घंटे

पूर्णांक - 70

चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न 4 x 10 = 40 अंक

चार लघुउत्तरीय प्रश्न 4 x 5 = 20 अंक

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 x 1 = 10 अंक

खण्ड - क (40 अंक)

पाठ्यांश :-

1. प्लेटो : काव्य-सिद्धान्त ।
2. अरस्तु : अनुकरण सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त।
3. लोंजाइनस : काव्य में उदात्त-तत्त्व ।
4. वर्ड्सवर्थ : काव्य भाषा का सिद्धान्त ।
5. कॉलरिज : कल्पना और ललित कल्पना सिद्धान्त।
6. क्रोचे : अभिव्यंजना सिद्धान्त ।
7. टी0एस0 इलियट : समीक्षा सिद्धान्त।
8. आई0 ए0 रिचर्ड्स : संप्रेषण सिद्धान्त ।

खण्ड - ख (30 अंक)

9. नई समीक्षा की मुख्य अवधारणाएँ ।
10. मार्क्सवादी समीक्षा ।
11. आधुनिकता एवं औपनिवेशिकता, शास्त्रीयतावाद (क्लासिसिज्म), प्रतीकवाद, स्वच्छन्दतावाद (रोमांटिसिज्म), यथार्थवाद, साहित्य का समाजशास्त्र, संरचनावाद, विखण्डनवाद, उत्तर आधुनिकता और उत्तर औपनिवेशिकता का सामान्य परिचय।

अनुशंसित ग्रन्थ :-

1. लिटरेरी क्रिटिसिज्म - ए शॉर्ट हिस्ट्री : : विम्साट विलियम्स ऐंड क्लीन्थ ब्रुक्स, लंदन ।
2. पाश्चात्य काव्यषास्त्र - आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
3. नई समीक्षा के प्रतिमान - निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
4. कविता के नये प्रतिमान - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
5. पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
6. आलोचक और आलोचना - बच्चन सिंह, नेषनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
7. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका - मैनेजर पांडेय, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला ।
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धान्त और वाद - डॉ0 भागीरथ मिश्र ।
9. साहित्य का मूल्यांकन - डब्लू बेसिल वर्सफील्ड, अनु0 डॉ0 रामचन्द्र तिवारी ।
10. आलोचक का दायित्व - डॉ0 रामचन्द्र तिवारी ।
11. आधुनिक हिन्दी आलोचना : संदर्भ एवं दृष्टि - डॉ0 रामचन्द्र तिवारी ।
12. आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम - आचार्य रामचन्द्र तिवारी ।
13. कृति चिंतन और मूल्यांकन संदर्भ - डॉ0 रामचन्द्र तिवारी ।

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

चौदहवाँ प्रश्न-पत्र : हिन्दी आलोचना एवं व्यावाहारिक समीक्षा

समय : 3 घंटे

पूर्णांक - 70

दो आलोचनात्मक प्रश्न - 2 x 10 = 20 अंक

एक अपठित काव्यांश की व्यावाहरिक समीक्षा - 1 x 10 = 10 अंक

एक अपठित गद्यांश की व्यावाहरिक समीक्षा - 1 x 10 = 10 अंक

चार लघुत्तरीय प्रश्न – 4 x 5 = 20 अंक

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 x 1 = 10 अंक

पाठ्यांश :-

1. आधुनिक हिन्दी आलोचना का उदय और विकास, विविध प्रवृत्तियाँ ।
2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ0 नगेन्द्र, नंद दुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा एवं नामवर सिंह के आलोचना-कार्य का सम्यक् परिशीलन ।
3. जयशंकर प्रसाद , निराला, प्रेमचंद, शिवदान सिंह चौहान, अज्ञेय, मुक्तिबोध, मलयज, विजयदेव नारायण शाही के साहित्य-चिंतन का मूल्यांकन ।
4. प्रमुख अस्मिता विमर्श - स्त्री विमर्श, दलित विमर्श ।

अनुशंसित ग्रन्थ :-

1. हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल, दिल्ली
2. हिंदी आलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल, राजकमल, दिल्ली
3. हिंदी आलोचक : शिखरों का साक्षात्कार - रामचंद्र तिवारी, लोक भारती, इलाहाबाद
4. आलोचक के बदलते मानदंड और हिंदी साहित्य - शिवकरण सिंह, किताब महल, इलाहाबाद
5. आलोचक और आलोचना - बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
6. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना - रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली
7. हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी - निर्मला जैन
8. दूसरी परम्परा की खोज - नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली
9. साहित्य का नया शास्त्र - गिरिजा राय, इलाहाबाद
10. हिन्दी काव्यशास्त्र पर आचार्य मम्मट का प्रभाव - राधेश्याम राय, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली ।
11. समकालीन हिन्दी आलोचना और आलोचना : रामबक्ष
12. नामवर की धरती : श्रीप्रकाश शुक्ल, आधार प्रकाशन, पंचकूला
13. नामवर विमश : सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
14. नामवर सिंह : आलोचना की दूसरी परम्परा (सं0 कमला प्रसाद), वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
15. आलोचक और आलोचना : कमला प्रसाद, आधाार प्रकाशन, पंचकूला
16. आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम - आचार्य रामचन्द्र तिवारी
17. आलोचक का दायित्व - डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
18. आधुनिक हिन्दी आलोचना : संदर्भ एवं दृष्टि - डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
19. कृति चिंतन और मूल्यांकन संदर्भ - डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
20. साहित्य का मूल्यांकन - डब्लू. बेसिल वर्सफोल्ड, अनु0 डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
21. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और समकालीन आलोचक - रामचन्द्र तिवारी
22. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल - रामचन्द्र तिवारी
23. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल आलोचना कोश - रामचन्द्र तिवारी
24. सुंदर का स्वप्न - डॉ0 अपूर्वानंद

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

पन्द्रहवाँ प्रश्न-पत्र - सैद्धांतिक भाषा विज्ञान

समय : 3 घंटे

पूर्णांक - 70

तीन दीर्घउत्तरीय प्रश्न 3 X 10 = 30 अंक

छः लघुउत्तरीय प्रश्न 6 X 5 = 30 अंक

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 X 1 = 10 अंक

पाठ्यांश :-

1. भाषा : परिभाषा, विविध रूप-बोली, विभाषा, भाषा, भाषा-व्यवहार, भाषा: परिवर्तन और दिशाएँ, संसार के प्रमुख भाषा-परिवारों का परिचय ।
2. भाषा विज्ञान : परिभाषा, भाषा विज्ञान के अंग तथा तत्व, भाषा-विज्ञान की शाखाएँ (वर्णनात्मक, ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक) अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान, (समाज भाषा विज्ञान, मनोभाषा विज्ञान, शैली विज्ञान, कोष विज्ञान, भाषा-शिक्षण) ।

2. (क) ध्वनि विज्ञान : स्वरूप एवं ध्वनियों का वर्गीकरण (स्थान, प्रयत्न और कारण के आधाार पर), ध्वनियों के भेद, ध्वनि-परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण ।

(ख) स्वनिम विज्ञान : स्वरूप, स्वनिम की अवधाारणा भेद, स्वनिम- विश्लेषण ।

(ग) रूप विज्ञान : शब्द और रूप का भेद, पद और संबंध तत्व, पद-विभाग, व्याकरिणक कोटियाँ - लिंग, वचन, पुरुष, कारक, क्रिया, काल, रूप-परिवर्तन एवं रूप-परिवर्तन के कारण ।

(घ) वाक्य विज्ञान : स्वरूप, पद और वाक्य, वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्व, (योग्यता, आकांक्षा, आसत्ति) वाक्य और पदक्रम, वाक्य के निकटस्थ अवयव, अन्त:केन्द्रिक और बहिष्केंद्रिक रचना, वाक्य के भेद, वाक्य-परिवर्तन की दिशाएँ, कारण, प्रोक्ति ।

(ङ) अर्थ विज्ञान :- स्वरूप, अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, संकेतग्रह के साधक और बाधक तत्व एकार्थक और नानार्थक शब्दों का अर्थ-निर्णय, अर्थ-परिवर्तन की दिशाएँ, कारण ।

अनुशंसित ग्रन्थ :-

1. सामान्य भाषा विज्ञान - डॉ0 बाबू राम सक्सेना
2. भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
3. भाषा विज्ञान की भूमिका - देवन्द्रनाथ शर्मा
4. शब्दार्थ तत्व - शोभाकान्त मिश्रा
5. ध्वनि विज्ञान - गोलोक बिहारी धाल
6. ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ - बलराम तिवारी
7. हिन्दी व्याकरण का इतिहास - अनन्त चौधरी
8. हिन्दी वाक्य विन्यास - सुधा कालरा
9. तुलनात्मक भाषा विज्ञान - मंगलदेव शास्त्री
10. भारत की भाषा समस्याएँ - रामविलास शर्मा
11. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी
12. भाषा (हिन्दी अनुवाद) - लैनर्ड ब्लूमफील्ड

Study Raw.Com MA Hindi Syllabus Study Raw.Com

सोलहवाँ प्रश्न-पत्र

यह प्रश्न-पत्र वैकल्पिक है । अध्यक्ष की अनुमति से छात्र-छात्राएँ किसी एक विकल्प का चयन करेगीं ।

विकल्प (क) : प्रयोजनमूलक हिन्दी

समय : 3 घंटे

पूर्णांक - 70

चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न 4 x 10 = 40 अंक

चार लघुउत्तरीय प्रश्न 4 x 5 = 20 अंक

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 x 1 = 10 अंक

पाठ्यांश :-

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : स्वरूप एवं महत्त्व ।
2. मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिन्दी, सम्पर्क भाषा, राजभाषा, बोलचाल की सामान्य हिन्दी, मानक हिन्दी, साहित्यिक हिन्दी ।
3. भारतीय संविधान में हिन्दी की स्थिति ।
4. हिन्दी भाषा का उद्‌भव एवं विकास ।
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी की विविध शैलियाँ : हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी, बोलचाल की शैली, संवाद शैली, भावात्मक शैली, विचारात्मक शैली, सामाजिक शैली, प्रशासनिक शैली ।
6. टिप्पण तथा मसौदा -लेखन, व्यावसायिक हिन्दी में सार लेखन ।
7. हिन्दी में पारिभाषिक शब्द-निर्माण की प्रवृत्तियाँ ।
8. प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद, अनुवाद का महत्त्व एवं प्रमुख प्रकार ।
9. संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, इन्टरनेट, चलचित्र की हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण ।
10. सरकारी पत्राचार के प्रकार ।

अनुशंसित ग्रन्थ :-

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ0 दंगल झाल्टे
2. कार्यालय कार्यबोध - हरिबाबू कंसल
3. कामकाजी हिन्दी - डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया
4. हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी - पद्‌म सिंह शर्मा
5. व्यावहारिक हिन्दी - कृष्ण विकल
6. हिंदी का सामाजिक सन्दर्भ - डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं रमानाथ सहाय केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
7. राष्ट्रभाषा और हिन्दी - डॉ0 राजेन्द्र मोहन भटनागर, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
8. भाषा आन्दोलन - सेठ गोविन्ददास, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
9. हिन्दी भाषा की सामाजिक भूमिका - डॉ0 भोलानाथ तिवारी एवं मुकुल प्रियदर्शनी, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास
10. सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग - गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डा0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
12. प्रशासनिक हिन्दी निपुणता - हरिबाबू कंसल, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
13. आवेदन प्रारूप- डॉ0 एस0 एन0 चतुर्वेदी, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली
14. कार्यालयीय हिन्दी - डॉ0 विजयपाल सिंह
15. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और व्यवहार - रघुनंदन प्रसाद शर्मा
16. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ0 शर्वेश पाण्डेय - देव प्रकाशन, मऊ

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

सोलहवाँ प्रश्न-पत्र

विकल्प (ख) : पत्रकारिता : इतिहास, सिद्धांत एवं व्यवहार

समय : 3 घंटे
पूर्णांक – 70
चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न – 4 X 10 = 40
चार लघूत्तरीय प्रश्न – 4 X 5 = 20
दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 X 1 = 10

पाठ्यांश : (क) इतिहास पक्ष:

1. हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास।
2. भारतीय राष्ट्रवाद एवं हिन्दी पत्रकारिता।
3. प्रमुख हिन्दी पत्र – उदन्त मार्तण्ड, कविवचन सुधा, हिन्दी प्रदीप, ब्राह्मण, सरस्वती, कर्मवीर, हंस, माधुरी, मतवाला, बालक, स्वदेश, बिहार बंधु।
4. प्रमुख पत्रकार – भारतेंदु हरिशचंद्र, बालकृष्ण भट्ट, मदन मोहन मालवीय, महावीर प्रसाद द्विवेदी, बाबूराव विष्णुराव पराड़कर, गणेश शंकर विद्यार्थी, माखनलाल चतुर्वेदी, निराला, बनारसीदास, चतुर्वेदी, रामवृक्ष बेनीपुरी।

(ख) सिद्धांत एवं व्यवहार पक्ष

1. समाचार की परिभाष्ठा, समाचार के छः सूत्र और प्रकार, समाचार के विभिन्न स्रोत।
2. भेंटवाती के प्रकार तथा प्रविधि शीर्षक कला, फीचर लेखन का स्वरूप और उद्देश्य, समाचार-लेखन के तत्व एवं संपादकीय विभाग, संपादकीय लेखन, समाचार पत्रों के विविधा स्तंभ, मुद्रण कला : उद्भव और विकास।
3. समाचार-निर्माण, पृष्ठसज्जा, प्रूफ- संशोधन,
4. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता, रेडियो, दूरदर्शन का भारत में विकास, इण्टरनेट, ब्लॉगवार्ता।
5. भारत में पत्रकारिता से संबंधित प्रमुख कानून।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. पत्रकारिता के सिद्धांत – कमलापति त्रिपाठी
2. हिन्दी पत्रकारिता : विविधा स्वरूप : रमेश कुमार जैन
3. जन संचार और हिन्दी पत्रकारिता – अर्जुन तिवारी
4. समाचार और संवाददाता – काशीनाथ गोविन्द
5. मुद्रणालय – प्रमुल्लचंद्र ओझा 'मुक्त'
6. विज्ञापन : सिद्धांत और प्रयोग – विनय कुलश्रेष्ठ
7. रूपक-लेखन – कृष्णभूषण सिंह
8. प्रेस कानून और पत्रकारिता – संजीव भानावत
9. संपादन कला – संजीव भानावत
10. पत्रकारिता के विविधा संदर्भ – वंशीधर लाल
11. समाचार पत्रों का संगठन और प्रबंधा – सुकुमार जैन

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

12. संपूर्ण पत्रकारिता - हेरम्ब मिश्र
13. समाचार संकलन और लेखन - नंदकिशोर त्रिखा
14. आधुनिक पत्रकारिता - अर्जुन तिवारी
15. हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम - वेद प्रताप वैदिक
16. संवाद कला - अभिराम झा
17. संपादन के सिद्धांत - रामचंद्र तिवारी
18. हिन्दी पत्रकारिता विकास और विविध आयाम - सुशीला जोशी
19. भारतीय पत्रकार कला - रोलैण्ड ई0 वूल्सले (ज्ञान मण्डल, वाराणसी)
20. द कंप्लीट जर्नलिज्म - एफ0 जे0 मैनसिफिल्ड
21. द राईज एण्ड ग्रोथ ऑव हिन्दी जर्नलिज्म - रामरतन भटनागर
22. समाचार संपादन और पृष्ठ सज्जा - रमेश कुमार जैन
23. पत्रकारिता एवं राष्ट्रीय चेतना का विकास - अर्जुन तिवारी
24. समाचार पत्र : मुद्रण और सजा-सज्जा - श्यामसुन्दर शर्मा
25. पत्रकारिता और सैद्धांतिक आयाम- विनय कुमार चौधरी (संदर्भ प्रकाशन, मधेपुरा)

StudyRaw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

सोलहवाँ प्रश्न-पत्र :
विकल्प (ग) : अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग

समय : 3 घंटे
पूर्णांक – 70
चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न – 4 X 10 = 40
चार लघूत्तरीय प्रश्न – 4 X 5 = 20
दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 X 1 = 10

पाठ्यांश : खण्ड (क) :

1. अनुवाद : अर्थ एवं परिभाषा।
2. अनुवाद-प्रविधि एवं अनुवाद-समतुल्यता का सिद्धांत।
3. अनुवाद के प्रकार : लिप्यंकन, लिप्यंतरण, अंत:भाषिक, अन्तरभाषिक, रूपांतरण अथवा प्रतीकांतर, अर्थांतरण, शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद।
   साहित्यिक अनुवाद : पद्यानुवाद,गद्यानुवाद, नाट्य रूपांतरण।
4. अनुवाद की सामाजिक - सांस्कृतिक भूमिका।
5. भूमंडलीकरण के दौर में अनुवाद का महत्त्व।
6. बहुभाषा- सांस्कृतिक परिवेज़ में अनुवाद की भूमिका।
7. अनुदित साहित्य : खण्ड (ख)
   उपन्यास (क) माँ (मक्सिम गोर्की)।
   कविताएँ (ख) पाब्लो नेरूदा एवं अन्य की कविताएँ (अनुवादक केदारनाथ अग्रवाल)।
   कहानियाँ (ग) अन्तोन चेखब की प्रतिनिधि कहानियाँ।
   नोट :- प्रथम खण्ड से तीस अंको के एवं द्वितीय खण्ड से चालीस अंकों के प्रज़्न पूछे जाएँगे। व्याख्यात्मक प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे।

अनुशांसित ग्रंथ :

1. अनुवाद विज्ञान - डॉ0 भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन
2. कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं - भोलानाथ तिवारी, गोस्वामी, गुलाटी, शब्दकार प्रकाशन
3. अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा - प्रो0 सुरेश कुमार , वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. कार्यालयी अनुवाद निर्देशिका - गोपीनाथ श्रीवास्तव, सामयिक प्रकाशन
5. अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग - श्री गोपीनाथ
6. अनुवाद कला - डॉ0 एन0 ई0 विज़्वनाथ अय्यर
7. अनुवाद कला - डॉ0 विज़्वनाथ आयर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
8. अनुवाद : सिद्धान्त एवं समस्याएं - डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं कृष्णा कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

9. अनुवाद कला विचार – आनंद प्रकाश रिवजी, एस0 चाँद एण्ड कं0, दिल्ली
10. हिंदी में व्यवहारिक अनुवाद – आलोक कुमार रस्तोगी, जीवन ज्योति प्रकाशन, दिल्ली
11. अनुवाद प्रक्रिया – रीतारानी पालीवाल – साहित्य निधि प्रकाज़न, दिल्ली
12. अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग – डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
13. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत एवं अनुप्रयोग – डॉ0 नगेन्द्र
14. अनुवाद विज्ञान – गार्गी गुप्ता
15. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत सिद्धि : अवधोश मोहन गुप्त
16. अनुवाद : एक परिचय – डॉ0 शर्वेश पाण्डेय, देव प्रकाशन, मऊ

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

सोलहवाँ प्रश्न-पत्र

विकल्प (घ) : स्त्री-अध्ययन और साहित्य

समय : 3 घंटे
पूर्णांक – 70
चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न – 4 X 10 = 40
चार लघूत्तरीय प्रश्न – 4 X 5 = 20
दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 X 1 = 10

पाठ्यांश : खण्ड (क)

1. अबला जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी' का मिथ ; पितृसत्तात्मक समाज एवं मातृसत्तात्मक समाज की अवधारणा ; पुरुष-प्रधान सामाजिक संरचना में स्त्री और उसका श्रम; पुरुष प्रधान सामाजिक अनुकूलन में धर्म, समाज और परिवार की भूमिका: स्त्री यौनिकता; पूँजीवाद, आधुनिकता और स्त्री; स्त्रीवाद की अवधारणा, स्त्रीवादी आंदोलन, भूमण्डलीकरण, बाजारवाद और स्त्री; स्त्री के विविधा रूप - श्रमिक स्त्री, दलित स्त्री, आदिवासी स्त्री।
2. आधुनिक समय में स्त्री मुक्ति संबंधी चिंतन - जॉन स्टुअर्ट मिल, सीमोन द बोउवा, जर्मेन ग्रियर, मेरी वोल्टनक्राफ्ट, महादेवी वर्मा, प्रभा खेतान, कात्यायनी।

खण्ड - (ख) :

पाठ : उपन्यास

1. इदन्नमम (मैत्रेयी पुष्पा)
2. आवाँ (चित्र मुद्गल)।

कविता :

3. कहती है औरतें (सं0 अनामिका)।

चिंतन :

4. शृंखला की कड़ियाँ (महादेवी वर्मा)।

नोट : खण्ड क से तीन अंकों के एवं खण्ड ख से चालीस अंकों के प्रश्न पूछे जाएँगें। व्याख्यात्मक प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. नारी शोषण, आइने और आयाम : आशारानी व्होरा, नेज़नल पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली
2. देह की राजनीति से देश की राजनीति तक : मृणाल पाण्डेय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. स्त्री उपेक्षिता, सिमोन द बोऊवार : अनु0 प्रभा खेतान, हिन्द पाकेट बुक्स
4. आज की आम्रपाली : सरला मुद्गल, नेशन पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली
5. औरत होने की सजा : अरविन्द जैन, विकास पेपर बैक, दिल्ली
6. स्त्री के लिए जगह : सं0 राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. औरत के हक में : तसलीमा नसरीन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

8. परिधि पर स्त्री : मृणाल पाण्डेय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
9. समान नागरिक संहिता : सरला माहेज़्वरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
10. आधी जमीन : उपेन्द्रनाथ अश्क, निलाभ प्रकाशन
11. दुर्ग द्वार पर दस्तक : कात्यायनी, परिकल्पना प्रकाशन, लखनऊ
12. अश्लीलता पर हमला : सं0 राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. नारी प्रश्न : सरला माहेश्वरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
14. उठो अन्नूपर्णा साथ चलें : उषा महाजन, हिमाचल पुस्तक भंडार
15. चुकते नहीं सवाल : मृदुला गर्ग, सामयिक प्रकाशन
16. स्त्रीत्व का मानचित्र : अनामिका, सारांश प्रकाशन, दिल्ली
17. स्त्री का समय : क्षमाशर्मा, मेघा बुक्स
18. हव्वा की बेटी : दिव्या जैन, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर
19. औरत : अस्तित्व और अस्मिता : अरविन्द जैन, सारांश प्रकाशन
20. स्त्री देह के विमर्श : सुधीश पचौरी, आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली
21. आदमी की निगाह में औरत : राजेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाज़न, नई दिल्ली
22. बन्द गलियों के विरूद्ध : सं0 मृणाल पाण्डेय एवं क्षमा शर्मा
23. इक्कीसवीं सदी की ओर : सुमन कृष्णकान्त, राजकमल प्रकाशन
24. संघर्ष के बीच : संघर्ष के बीज : सं0 इलीना सेन, सारांश प्रकाशन
25. विद्रोही स्त्री : जर्मेन ग्रियर, अनु. मधु, बी. जोशी, राजकमल प्रकाशन
26. नारीवादी विमर्श : राकेश कुमार, आधार प्रकाशन, पंचकूला
27. न्याय क्षेत्रे : अन्याय क्षेत्रे : अरविन्द जैन, राजकमल प्रकाशन
28. जीवन की तनी डोर पर ये स्त्रियाँ : नीलम कुलश्रेष्ठ, मेधा, बुक्स
29. स्त्री संघर्ष का इतिहास : राधा कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
30. स्त्रीवादी विमर्श : समाज और साहित्य : क्षमा शर्मा, राजकमल प्रकाशन
31. स्वागत है बेटी : विभा देवसरे, मेधा बुक्स
32. हम सभ्य औरतें : मनीषा, सामयिक प्रकाशन
33. उपनिवेश में स्त्री : प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन
34. परिवार निजी संपत्ति और राज्य की उत्पत्ति : फेडरिक एंगेल्स, प्रकाशन संस्थान
35. ओ उब्बीरी : मृणाल पाण्डेय, राधाकृष्ण प्रकाशन

StudyRaw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

सोलहवाँ प्रश्न-पत्र

विकल्प (ङ) : दलित अस्मिता और साहित्य

समय : 3 घंटे
पूर्णांक – 70
चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न – 4 X 10 = 40
चार लघूत्तरीय प्रश्न – 4 X 5 = 20
दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 X 1 = 10
खण्ड – क

पाठ्यांश :

1. भारतीय वर्णव्यवस्था का स्वरूप एवं शूद्र, प्राचीन भारत में शूद्रों की सामाजिक-आर्थिक भागीदारी, स्वाधीनता आन्दोलन और नवजागरण में दलित प्रश्न।
2. अंबेडकर के क्रांतिकारी विचार, दलित-मुक्ति पर अंबेडकर का प्रभाव, दलित - मुक्ति का प्रश्न एवं महात्मा गाँधी, हरिजन बनाम दलित का विवाद, दलित : वर्ग अथवा वर्ण, आधुनिकता और दलित, भारतीय संविधान में दलितों के अधिकार, भारत की राजनीतिक प्रक्रिया में दलित सहभागिता का वर्तमान स्वरूप, दलित वैचारिकी।
3. दलित मुक्ति आन्दोलन का भक्तिकालीन रिक्थ, दलित साहित्य का वैकल्पिक सौन्दर्यशास्त्र, हिन्दीतर भाषाओं में दलित साहित्य तथा उसका हिन्दी दलित साहित्य पर प्रभाव, दलित साहित्य के मुख्य सरोकार, दलित साहित्य में सहानुभूति बनाम स्वानुभूति, प्रेमचंद, निराला का दलित समाज संबंधी साहित्य।

खण्ड – ख

1. उपन्यास :
2. आत्मकथाएँ : जूठन (ओमप्रकाश बाल्मीकि), मेरा बचपन मेरे कंधों पर (श्योराज सिंह बेचैन), मुर्दहिया (तुलसीराम)।
3. कविताएँ :
4. कहानियाँ : दलित कहानी संचयन (सं0 रमणिक गुप्ता)

नोट :- प्रथम खण्ड से तीस अंकों के प्रश्न एवं द्वितीय खण्ड से चालीस अंकों के प्रश्न पूछे जाएंगे। व्याख्यात्मक प्रश्न नहीं होंगे।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र -शरण कुमार लिम्बाले
2. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र - ओमप्रकाश बाल्मीकि
3. दलित डायरी - चन्द्रभान प्रसाद
4. कबीर के आलोचक - डॉ धर्मवीर
5. कबीर के कुछ और आलोचक - डॉ0 धर्मवीर
6. सूत न कपास - डॉ0 धर्मवीर
7. कबीर और रामानंद : किंवदन्तियां - डॉ0 धर्मवीर

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

8. डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी का प्रक्षिप्त चिंतन और संत रैदास का निवर्ण सम्प्रदाय – डॉ0 धर्मवीर
9. कबीर : बाज भी कपोत भी पपीहा भी – कंवल भारती
10. संत रैदास का विश्लेषण – डॉ0 धर्मवीर
11. लोकतंत्र में भागीदारी का सवाल और दलित साहित्य की भूमिका – जयप्रकाश कर्दम
12. दलित साहित्य में सामाजिक – सांस्कृतिक चेतना –श्योराज सिंह बेचैन
13. हिन्दी दलित पत्रकारिता पर अम्बेडकर का प्रभाव –श्योराज सिंह बेचैन
14. हिन्दी उपन्यासों में दलित वर्ग – कुसुम मेघवाल
15. इक्कीसवीं सदी में अम्बेडकर – डॉ रघुवीर सिंह
16. दलित साहित्य सृजन के संदर्भ में – डॉ0 चमनलाल
18. स्वतंत्रता संग्राम के दलित क्रान्तिकारी – मोहनदास नैमिषराय
19. दलित साहित्य रचना और विचार – पुरूषोत्तम सत्यप्रेमी
20. आज का दलित साहित्य – डॉ0 तेज सिंह
21. चिंतन की परम्परा और दलित साहित्य – डॉ0 श्योराज सिंह बेचैन, डॉ0 देवेन्द्र चौबे
22. दलित दखल : (सं) डा. श्योराज सिंह बेचैन, डॉ, रजत रानी मीनू
23. धार्मांतरण और दलित : (सं.) जयप्रकाश कर्दम
24. दलित विमर्श : सन्दर्भ गाँधी : गिरिराज किज़ोर
25. दलित साहित्य की अवधारणा और प्रेमचंद – (सं) सदानंद साही

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com

सोलहवाँ प्रश्न-पत्र

विकल्प (च) : लोकप्रिय संस्कषति के विविध रूप (पत्र–पत्रिकाएँ, सिनेमा, टीवी, रेडियो, इंटरनेट आदि पर उपलब्ध)

समय : 3 घंटे
पूर्णांक – 70
चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न – 4 X 10 = 40
चार लघूत्तरीय प्रश्न – 4 X 5 = 20
दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 X 1 = 10

पाठ्यांश :

1. संस्कृति की परंपरागत अवधारणा और लोकप्रिय संस्कृति।
2. लोकप्रिय संस्कृति के विविधा आयाम।
3. अभिव्यक्ति के विविधा लोकप्रिय माधयम और राष्ट्र, महानगर, कस्बाई संस्कष्टति की अभिव्यक्ति।
4. लोकप्रिय माधयमों में विज्व बाजार की अभिव्यक्ति।
5. अस्मिता-विमर्श और लोकप्रिय माधयम, लोकप्रिय माधयमों में अस्मिता अभिव्यक्ति का स्वरूप।
6. अस्मिता - विनिर्माण (जातिमूलक अस्मिता, धर्म-संप्रदायमूलक अस्मिता, लिंगाधारित अस्मिता, राष्ट्रीय अस्मिता) में लोकप्रिय माधयमों की प्रभावी भूमिका।
7. लोकप्रिय माध्यमों के स्वीकार-अस्वीकार एवं वर्चस्व के मुद्दे।

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ :

1. Cultural Theory and popular Culture: John Stracey
2. Culture and Society: Rasmoand willious
3. Cultural Studies: Chris Barkar
4. Cultural Studies and Discours Analysis: Chasis Banker and D. Galanini
5. Journey of Consumer Culture: On line.
6. Journey of popular Culture: On line.

Study Raw.Com
MA Hindi Syllabus
Study Raw.Com